गणेश पूजा एवं दुर्गा पूजा के अवसर पर छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल की जनहित में अपील

- मूर्तियों पर प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल किया जाये। खतरनाक रसायनों का उपयोग न करें।
- मूर्तियां मिट्टी की बनाई जावे पी.ओ.पी. या बेक्ड क्ले का उपयोग न किया जावे
- विर्सजन उपरांत बची हुई सभी सामग्री सुराक्षित एकात्रित करें, इसे पानी में न बहायें और न ही विसर्जन स्थल पर जलायें।
- विसर्जन के लिये पृथक से की गई व्यवस्था की जानकारी जिला प्रशासन से प्राप्त करें एवं निर्धारित स्थल पर ही मूर्तियों का विर्सजन किया जावें।
- मूर्तियों के प्राकृतिक निमार्ण एवं इसके सुरक्षित विसर्जन से हम अपने प्राकृतिक जल स्त्रोतों को जल प्रदूषण से बचाकर न केवल जलीय जीव–जन्तुओं की रक्षा कर सकते हैं अपितु धरती मां की भी सेवा कर सकते है।

छत्तीसगढ़ अइसन खास पर्यावरण संग विकास

एनविस सेन्टर
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
रायपुर (छत्तीसगढ़)